MAIN NEWS HEADLINE जो सीखेगा वो जीतेगा , जिंदगी की परीक्षा में सब क

विषय सूची (Table of Contents):

>> IIT दिल्ली का 57वां दीक्षांत समारोह पीएम मोदी ने युवाओं को दिया विकसित भारत क...
>> राष्ट्र निर्माण में आईआईटीयंस की भूमिका...
>> जो सीखेगा, वही जीतेगा तकनीकी युग में निरंतर सीखने पर प्रधानमंत्री का जोर...
>> परिवर्तन के अनुकूल खुद को ढालना ही सफलता...
>> जिंदगी की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस किताबी ज्ञान से परे जीवन की चुनौति...
>> अकादमिक ज्ञान और व्यावहारिक जीवन का अंतर...
>> बड़ी समस्याओं को छोटे हिस्सों में बांटें चुनौतियों को अवसर में बदलने की पीएम की...
>> लैब और प्रोजेक्ट्स से सीखे सबक का उपयोग...
>> जिया सराय का पोहा और हॉस्टल की यादें पीएम मोदी ने ताजा किए कैंपस के सुनहरे पल...
>> कैंपस के रिश्तों को जिंदगी भर संजो कर रखें...
>> कोविड के बाद छात्रों के बीच पहुंचे पीएम मोदी रूबरू होकर साझा की अपनी खुशी...
>> प्रत्यक्ष मुलाकात का विशेष अहसास...
>> आईआईटी की डिग्री सिर्फ प्लेसमेंट नहीं देश की समस्याओं का समाधान खोजने का है प्र...
>> क्षमता और विश्वसनीयता का प्रतीक...
>> अगले 30-35 साल तय करेंगे देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है भारत की प्रगति की...
>> जनता के सवाल (FAQs)...

नई दिल्ली स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT Delhi) के 57वें दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिरकत की और देश के प्रतिभाशाली युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए मार्गदर्शित किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने छात्र-छात्राओं को डिग्रियां और मेडल प्राप्त करने पर बधाई दी। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत के सपने को साकार करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का अहसास कराया।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि आज की तेजी से बदलती दुनिया में तकनीक और निरंतर सीखना ही सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए जो सीखेगा, वही जीतेगा का मंत्र दिया। इसके साथ ही उन्होंने जीवन के व्यावहारिक ज्ञान की अहमियत पर बल देते हुए कहा कि कैंपस के बाहर की जिंदगी में हर मोड़ पर नई चुनौतियां सामने आएंगी।

IIT दिल्ली का 57वां दीक्षांत समारोह: पीएम मोदी ने युवाओं को

दीक्षांत समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि आने वाले 30 से 35 वर्ष भारत के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष होने वाले हैं। युवाओं द्वारा आज उठाए गए कदम ही वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की दिशा और दशा तय करेंगे।

राष्ट्र निर्माण में आईआईटीयिंस की भूमिका

पीएम मोदी ने कहा कि आईआईटी दिल्ली से निकलने वाले छात्र सिर्फ एक डिग्री लेकर बाहर नहीं जा रहे हैं, बल्कि वे देश की सबसे कठिन समस्याओं का समाधान खोजने का एक बड़ा सपना लेकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने छात्रों का आह्वान किया कि वे अपनी तकनीकी क्षमताओं का उपयोग समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने में करें।

>> विश्वस्तरीय नेतृत्व:भारतीय युवा वैश्विक समस्याओं के समाधान में अहम योगदान दे रहे हैं।

>> तकनीकी नवाचार:एआई, रोबोटिक्स और क्लीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में नए शोध समय की जरूरत हैं।

>> सामाजिक प्रभाव:तकनीक का वास्तविक उपयोग आम नागरिक की सहूलियत बढ़ाने में होना चाहिए।

जो सीखेगा, वही जीतेगा : तकनीकी युग में निरंतर सीखने पर प्रधा

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में तेजी से बदलती तकनीक और वैश्विक परिदृश्य का जिक्र किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगले 20-30 वर्षों में दुनिया किस रूप में होगी, इसका सटीक अनुमान लगाना मुश्किल है। ऐसे समय में केवल वही व्यक्ति और राष्ट्र आगे बढ़ सकता है जो नई चीजें सीखने के लिए हमेशा तत्पर रहेगा।

परिवर्तन के अनुकूल खुद को ढालना ही सफलता

पीएम मोदी ने छात्रों से कहा, जो सीखेगा, वही जीतेगा। चुनौतियों का सामना करने का साहस रखने वालों के लिए हर कठिन परिस्थिति एक बड़े अवसर में तब्दील हो जाती है। नए कौशल सीखना और उद्योग एवं रोजगार में हो रहे बदलावों के साथ तालमेल बिठाना ही भविष्य का मूलमंत्र है। शिक्षा से जुड़ी राष्ट्रीय योजनाओं औरशिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर मायावती भड़की, छात्रों से कही बड़ी बातजैसे महत्वपूर्ण घटनाक्रमों के बीच युवाओं का फोकस अपनी क्षमता निर्माण पर होना चाहिए।

जिंदगी की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस : किताबी ज्ञान स

कैंपस जीवन और वास्तविक दुनिया के अंतर को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कॉलेज की परीक्षाओं में एक तय

पाठ्यक्रम (Syllabus) होता है, लेकिन जिंदगी की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है।

अकादमिक ज्ञान और व्यावहारिक जीवन का अंतर

आईआईटी के दौरान छात्रों को पता होता है कि कौन सा असाइनमेंट पूरा करना है और कौन सी परीक्षा देनी है। परंतु जब युवा कैंपस से बाहर निकलते हैं, तो कई बार उन्हें खुद तय करना पड़ता है कि असली समस्या क्या है और उसका सही उत्तर कैसे खोजा जाए।

पीएम मोदी ने छात्रों को सलाह दी कि वे अपने अंदर की जिज्ञासा (Curiosity) को कभी खत्म न होने दें। जिन समस्याओं को समाज ने सामान्य मानकर स्वीकार कर लिया है, उन पर सवाल उठाना ही एक सच्चे इंजीनियर और वैज्ञानिक की पहचान है।

बड़ी समस्याओं को छोटे हिस्सों में बांटें: चुनौतियों को अवसर

जीवन में आने वाली बड़ी-बड़ी चुनौतियों से न घबराने की सलाह देते हुए प्रधानमंत्री ने एक महत्वपूर्ण प्रॉब्लम-सॉल्विंग एप्रोच साझा की। उन्होंने कहा कि जब कोई समस्या बहुत बड़ी और जटिल दिखाई दे, तो उसे छोटे-छोटे हिस्सों में विभाजित (Break Down) कर देना चाहिए।

लैब और प्रोजेक्ट्स से सीखे सबक का उपयोग

छात्रों ने आईआईटी की प्रयोगशालाओं, प्रोजेक्ट्स और सिमुलेशन के दौरान इसी तरह जटिल समस्याओं के समाधान ढूंढे हैं। यही तरीका व्यावहारिक जीवन में भी काम आता है।

>> विभाजन रणनीति:बड़ी समस्या को छोटे मॉड्यूल्स में बांटकर चरणबद्ध तरीके से हल करें।

>> अवसर की पहचान:मुश्किलें अक्सर अकेली नहीं आती, वे अपने साथ नए अवसरों के द्वार भी खोलती हैं।

>> सतर्कता:युवाओं को हमेशा सजग रहकर आने वाले मौकों को पहचानना होगा।

जिया सराय का पोहा और हॉस्टल की यादें: पीएम मोदी ने ताजा किए

अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने आईआईटी दिल्ली के कैंपस कल्चर, हॉस्टल लाइफ और छात्रों के बीच लोकप्रिय ठिकानों का विशेष रूप से उल्लेख किया, जिससे पूरा ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

कैंपस के रिश्तों को जिंदगी भर संजो कर रखें

पीएम मोदी ने कुमाऊं, आरा, कारा, विंडी (विध्याचल), नील (नीलगिरी), कैलाश और हिमाद्री जैसे हॉस्टलों के नाम लिए और इंटर-हॉस्टल प्रतियोगिताओं की याद दिलाई। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि छात्रों को जिया सराय का पोहा और सतपुरा मेस के स्वादिष्ट पराठे जरूर याद आएंगे।

उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे अपने प्रोफेसरों, मेंटर्स और सपोर्ट स्टाफ के साथ बने रिश्तों को कैंपस छोड़ने के बाद भी न भूलें। ये रिश्ते और यादें जीवन की असली पूंजी हैं, जो कठिन समय में ऊर्जा देने का काम करेंगी। सरकारी योजनाओं के संदर्भ में जैसेगरीब कल्याण सम्मेलन, शिमला में प्रधानमंत्री का सम्बोधनमें जन-कल्याण पर जोर दिया गया था, वैसे ही युवाओं को भी समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

कोविड के बाद छात्रों के बीच पहुंचे पीएम मोदी: रूबरू होकर साझ

प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि पिछली बार जब उन्होंने आईआईटी दिल्ली के दीक्षांत समारोह में भाग लिया था, तब पूरा देश कोविड-19 महामारी के दौर से गुजर रहा था और वह कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से आयोजित हुआ था।

प्रत्यक्ष मुलाकात का विशेष अहसास

इस बार छात्रों के बीच व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर पीएम मोदी ने अपनी गहरी खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि छात्रों के अभिभावकों की तरह ही उन्हें भी इस उपलब्धि पर बेहद गर्व है। उन्होंने दीक्षांत समारोह के इन यादगार पलों को पूरी तरह से जीने और इस उत्साह को भविष्य की यात्रा का आधार बनाने का संदेश दिया। मनोरंजन और ट्रेंडिंग समाचारों की तरह, जैसेतेजस्वी प्रकाश की डायमंड रिंग का फ्लॉन्ट, शादी के मौके पर करन कुंदरा? जानें क्या है असली कहानीको लेकर चर्चा रहती है, वैसे ही युवाओं के इस विशेष दिन की चर्चा देश भर में हो रही है।

आईआईटी की डिग्री सिर्फ प्लेसमेंट नहीं: देश की समस्याओं का सम

प्रधानमंत्री ने कहा कि आईआईटी दिल्ली की डिग्री का मतलब केवल एक अच्छा सीजीपीए (CGPA) हासिल करना या किसी बहुराष्ट्रीय कंपनी में बड़ा प्लेसमेंट पाना नहीं है।

क्षमता और विश्वसनीयता का प्रतीक

यह डिग्री इस बात का प्रमाण है कि छात्र कठिन से कठिन परिस्थितियों को समझने और उनके व्यावहारिक समाधान खोजने में सक्षम हैं। देश को आज ऐसे तकनीकी समाधानों की आवश्यकता है जो कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला सकें।

अगले 30-35 साल तय करेंगे देश का भविष्य: युवाओं के हाथों में

निष्कर्षतः, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संबोधन केवल एक दीक्षांत भाषण नहीं था, बल्कि यह 2026 और उसके बाद के वर्षों में भारत के तकनीकी और आर्थिक नेतृत्व का एक स्पष्ट रोडमैप था। उन्होंने युवाओं को याद दिलाया कि आने वाले तीन से चार दशक भारत के स्वर्णिम काल का निर्माण करेंगे।

निरंतर सीखने की आदत, समस्याओं को हल करने की सोच और अपने जड़ों से जुड़े रहने का संकल्प ही IITians को दुनिया में सबसे अलग बनाता है। युवाओं के इसी जज्बे और नवाचार के दम पर भारत वैश्विक पटल पर एक सशक्त एवं समृद्ध राष्ट्र के रूप में स्थापित हो रहा है।

जनता के सवाल (FAQs)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह (57th Convocation) को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री ने युवाओं को जो सीखेगा, वही जीतेगा का मुख्य मंत्र दिया और निरंतर सीखते रहने पर जोर दिया।

इसका मतलब है कि कॉलेज में पाठ्यक्रम तय होता है, लेकिन व्यावहारिक जीवन में अप्रत्याशित चुनौतियां आती हैं जिन्हें खुद समझकर हल करना होता है।

उन्होंने सलाह दी कि अगर समस्या बहुत बड़ी दिखाई दे, तो उसे छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर (Breakdown) हल करना चाहिए।

उन्होंने कुमाऊं, आरा, कारा, वडिी, नील, कैलाश, हिमाद्री हॉस्टल और जिया सराय के पोहा व सतपुरा मेस के पराठों का जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि यह डिग्री केवल प्लेसमेंट का नहीं, बल्कि कठिन समस्याओं को समझकर उनके समाधान खोजने की क्षमता का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि आने वाले 30 से 35 वर्ष देश के भविष्य और विकसित भारत के निर्माण की दिशा तय करेंगे।

पिछली बार कोविड के कारण पीएम मोदी वर्चुअल जुड़े थे, जबकि इस बार वह स्वयं छात्रों के बीच उपस्थित होकर उनसे रूबरू हुए।

छात्र IIT Delhi के आधिकारिक पोर्टल पर विजिट करके Apply Online विकल्प के माध्यम से अपनी डिग्री स्टेटस Check

कर सकते हैं और e-degree PDF डाउनलोड कर सकते हैं।

आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह का Latest Update 2026 और सम्बोधन की मुख्य बातें संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट और पीआईबी (PIB) प्रेस रिलीज में उपलब्ध हैं।